भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 494
03 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि-क्लिनिक और कृषि-व्यवसाय केंद्र योजना

494. श्री बाबू सिंह कुशवाहाः
श्री देवेश शाक्यः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार कृषि-क्लिनिक और कृषि-व्यवसाय केंद्र योजना के द्वारा कृषि उत्पादन बढ़ाने, उन्नत खेती की तकनीकों का संवर्धन करने और किसानों की आय बढ़ाने पर काम कर रही है;
(ख) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों में इस योजना के मात्रात्मक प्रभाव का राज्यवार, विशेषकर उत्तर प्रदेश के संबंध में ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले तीन वर्ष में प्रत्येक कार्यशील कृषि-क्लिनिक/कृषि-व्यवसाय केंद्र के अंतर्गत शामिल किए गए किसानों की राज्यवार, विशेषकर उत्तर प्रदेश में औसत संख्या का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार के पास विशेषकर एटा, कासगंज, आंवला (बरेली) और जौनपुर जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में इन केंद्रों के भौगोलिक वितरण और उनसे सृजित हुए रोज़गार के बारे में डेटा है; और
(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ज़िलावार/संसदीय क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): सरकार कृषि विस्तार उप-मिशन (एसएमएई) के अंतर्गत कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र (एसी एंड एबीसी) कार्यक्रम को देश भर में कार्यान्वित कर रही है, जिसका उद्देश्य वांछनीय शैक्षणिक योग्यता वाले बेरोजगार उम्मीदवारों के बीच कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना और कृषि उत्पादन बढ़ाने, उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए सार्वजनिक विस्तार के प्रयासों में सहायता करना है। ये कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र किसानों को उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए सलाह और इनपुट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है।

(ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान कुल 14,294 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 6,933 ने अपने कृषि उद्यम स्थापित किए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश के 3262 प्रशिक्षित उम्मीदवार और 1533 स्थापित उद्यम शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश सहित राज्यवार कार्यक्रम का विवरण, **अनुबंध-1** में दिया गया है।

(ग): पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक सक्रिय कृषि क्लिनिक/कृषि व्यवसाय केंद्र के अंतर्गत आने वाले किसानों की औसत संख्या का विशेष रूप से उत्तर प्रदेश का राज्यवार विवरण **अनुबंध-2** में दिया गया है।

(घ एवं ड.): एटा, कासगंज, आंवला (बरेली) और जौनपुर जैसे ग्रामीण इलाकों में एग्री-क्लिनिक और एग्री-बिजनेस सेंटर्स का भौगोलिक वितरण तथा उनसे पैदा हुए रोज़गार और उत्तर प्रदेश में ज़िलेवार स्थापित एग्रीवेंचर्स तथा उनसे पैदा हुए रोज़गार की जानकारी **अनुबंध-3** में दिया गया है।

अनुबंध-1

पिछले तीन वित्तीय वर्षों (2022-23, 2023-24, 2024-25) के दौरान एसी एंड एबीसी योजना का राज्यवार मात्रात्मक प्रभाव का विवरण

क्र. सं.	राज्य का नाम	प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	स्थापित कृषि उद्यमों की संख्या	कृषि उद्यमों के अंतर्गत आने वाले किसानों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	328	65	37050
2.	असम	32	29	16530
3.	बिहार	288	123	70110
4.	छत्तीसगढ़	71	39	26220
5.	दिल्ली	1	0	0
6.	गोवा	6	3	1710
7.	गुजरात	139	51	29070
8.	हरियाणा	22	11	6270
9.	हिमाचल प्रदेश	2	1	570
10.	जम्मू और कश्मीर	33	0	0
11.	झारखंड	53	24	13680
12.	कर्नाटक	580	267	152190
13.	केरल	50	35	19950
14.	मध्य प्रदेश	1182	551	314070
15.	महाराष्ट्र	5197	2685	1530450
16.	मणिपुर	17	1	570
17.	मेघालय	1	1	570
18.	मिजोरम	17	0	0
19.	पुदुचेरी	16	8	4560
20.	पंजाब	3	2	1140
21.	राजस्थान	865	390	222300
22.	तेलंगाना	373	61	34770
23.	तमिलनाडु	1594	969	552330
24.	उत्तर प्रदेश	3262	1533	874380
25.	उत्तरांचल	92	39	22230
26.	पश्चिम बंगाल	70	45	25650
कुल		**14294**	**6933**	**3956370**

अनुबंध-2

पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक सक्रिय एग्री-क्लिनिक/एग्री-बिज़नेस केन्द्र के तहत उत्तर प्रदेश में कवर किए गए किसानों की औसत संख्या का राज्यवार ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य का नाम	स्थापित कृषि उद्यमों की संख्या	कृषि उपक्रमों के अंतर्गत आने वाले किसानों की औसत संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	65	333
2.	असम	29	570
3.	बिहार	123	570
4.	छत्तीसगढ़	39	672
5.	गोवा	3	570
6.	गुजरात	51	570
7.	हरियाणा	11	570
8.	हिमाचल प्रदेश	1	570
9.	झारखंड	24	185
10.	कर्नाटक	267	480
11.	केरल	35	174
12.	मध्य प्रदेश	551	376
13.	महाराष्ट्र	2685	442
14.	मणिपुर	1	570
15.	मेघालय	1	570
16.	पुदुचेरी	8	428
17.	पंजाब	2	570
18.	राजस्थान	390	570
19.	तेलंगाना	61	570
20.	तमिलनाडु	969	570
21.	उत्तर प्रदेश	1533	570
22.	उत्तरांचल	39	570
23.	पश्चिम बंगाल	45	570
कुल		**6933**	

अनुबंध-3

उत्तर प्रदेश के एटा, कासगंज, आंवला (बरेली) और जौनपुर जैसे ग्रामीण इलाकों सहित जिलेवार एग्री-क्लिनिक और एग्री-बिजनेस सेंटर्स का भौगोलिक वितरण और उनसे पैदा हुआ रोज़गार।

क्र. सं.	जिले का नाम	स्थापित उद्यमों की सं.	औसत सृजित रोज़गार
1.	बाराबंकी	69	नवीनतम प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, प्रत्येक कृषि उद्यम औसतन 6 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रहा है।
2.	बरेली	64	
3.	पीलीभीत	54	
4.	औरैया	42	
5.	अमरोहा	41	
6.	शामली	47	
7.	आगरा	37	
8.	मुरादाबाद	37	
9.	जौनपुर	36	
10.	वाराणसी	36	
11.	गोरखपुर	35	
12.	इलाहाबाद/प्रयागराज	34	
13.	बुलंदशहर	34	
14.	लखीमपुर खीरी	34	
15.	रामपुर	32	
16.	कन्नौज	30	
17.	मेरठ	30	
18.	उन्नाव	29	
19.	आजमगढ़	29	
20.	सुल्तानपुर	28	
21.	कुशीनगर	28	
22.	मिर्जापुर	27	
23.	सहारनपुर	25	
24.	संभल	31	
25.	इटावा	24	
26.	सीतापुर	23	
27.	ललितपुर	22	
28.	फतेहपुर	21	
29.	बिजनौर	21	
30.	अलीगढ़	21	
31.	मुजफ्फरनगर	19	
32.	गोंडा	19	
33.	लखनऊ	20	
34.	बस्ती	19	
35.	शाहजहांपुर	18	
36.	देवरिया	17	
37.	हरदोई	17	
38.	अंबेडकर नगर	17	
39.	जालौन	16	
40.	बदायूं	15	
41.	एटा	15	
42.	मऊ	14	
43.	फिरोजाबाद	14	
44.	गाजीपुर	13	
45.	बहराइच	13	
46.	हाथरस	12	
47.	कौशाम्बी	12	
48.	मैनपुरी	11	

49.	झांसी	11	
50.	मथुरा	11	
51.	प्रतापगढ़	10	
52.	सिद्धार्थनगर	13	
53.	बांदा	9	
54.	भदोही	11	
55.	बलरामपुर	9	
56.	कानपुर देहात	8	
57.	फर्रुखाबाद	8	
58.	बागपत	14	
59.	रायबरेली	15	
60.	चित्रकूट	8	
61.	हमीरपुर	8	
62.	बलिया	8	
63.	महाराजगंज	8	
64.	अयोध्या	13	
65.	संत कबीर नगर	8	
66.	गाजियाबाद	7	
67.	चंदौली	7	
68.	हापुड़	8	
69.	सोनभद्र	5	
70.	अमेठी	8	
71.	श्रावस्ती	6	
72.	कानपुर नगर	5	
73.	कांशीराम नगर (कासगंज)	7	
74.	महोबा	3	
75.	गौतम बुद्ध नगर	3	
कुल		**1533**	

*****